Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 50011701 | Date: 20/06/2020 | Validity : 1 ~~Year~~ Month Only (fees)

नाम: Dr Pallavi Sharma	जन्म तिथि: 19/02/1984	जन्म समय: 00:45 AM, hrs.
जन्म स्थान: Gwalior	मांगलिक योग: Cancelled.	इष्ट देव: Guru Dev
लग्न: Vrishchik lagna	राशि: Kanya (virgo).	नक्षत्र: उ० फाल्गुनी - 2

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Guru	50%	Mangal	25%
2.	Chandra	20%	Budh (अस्त)	70%
3.	Surya	25%	Shukra	30%
4.	Rahu (d) (उच्च)	100%	Shani (उच्च)	80%
5.	Ketu (d) (उच्च)	100%		
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): ① गजकेसरी योग : पुखराज एवं मोती दोनों धारण करें। काफी अच्छा रहेगा। मन की इच्छा पूर्ण होगी। मन शान्त हो जाएगा मोती धारण करने से।

3. कुण्डली दोष: चन्द्र ग्रहण योग, अंगारक योग, — गुस्सा अधिक आएगा, मन अशान्त रहेगा।

4. शुभ दिन: सोमवार, बृहस्पतिवार, रविवार

5. शुभ रंग: सफेद, पीला, मरून। अशुभ: (काला, नीला, लाल, हरा)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पुखराज	7+	Left	Index	सोने, पीतल में बृहस्पतिवार को शुक्ल पक्ष में 8:15 AM पर धारण करें।
2. मोती	10	Left	Little	चाँदी में सोमवार को शुक्लपक्ष में 8:15 AM पर धारण करें।
3. माणिक	7+	Left	Ring.	सोने, पीतल में रविवार को 8:15 AM पर धारण करें।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

पन्ना, ओपल, हीरा, जरकन, नीलम, नीली, मूँगा आदि रत्न वार्जित है।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) मंगलदेव : मंगल का दान एवं पाठ पूजन सदैव करने से दाम्पत्य सुख ठीक होगा। एवं गुस्सा भी नहीं आएगा।।

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह) & शुक्र का दान Friday को अवश्य करें। (दाम्पत्य सुख)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , हृदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

वृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।

✓ शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

X राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।

X केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : शनिदेव, मंगलदेव, शुक्रदेव के दान एवं पाठपूजन करने से रोगों से दूर रहेंगी आप!

11. Comments:

☺ आप का स्वभाव जल के समान रहेगा! जिस तरह जलरास्ते में पड़े पत्थरों से घूम कर अपना रास्ता बना लेता है। उसी तरह ऐसा जातक परिस्थित के अनुसार अपने आप को ढाल लेता है। ☺ आप के decision Making में संदेह बनी रहेगी!
☺ Down to earth रहेंगी, अपनी बड़ाई जल्दी नहीं करेंगी! ☺ पूर्णतः Stable होने में Problems रहेंगी! मोती धारण करें! Stability बढ़ेगी!
☺ शनिदेव 12th भाव में स्थित हैं जिसके कारण काफी Struggle कर जायेगा। कुछ सुविधा लेट से मिलेंगी। काफी मेहनत के बाद धन आयेगा! धन का अभाव, परिवार में समस्या बना कर रखेंगे। खर्च, Health

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

समस्या बढ़ेंगे, Anxiety Level को बढ़ा देंगे। कन्फ्यूजन ज्यादा होगा। पैसों से सम्बन्धित परेशानी देंगे। Job problems आदि।

→ हर शनिवार एवं अमावस्या को शनिदेव का दान अवश्य करें। (After sunset). अमावस्या को किसी भी समय दान कर सकते हैं।

→ पीपल के पेड़ को जल देना लाभदायक रहेगा।

→ सरसों का तेल हर शनिवार एवं अमावस्या को दान करें। (After sunset). upto 30/Sep/2020 या जीवन भर भी कर सकते हैं।

☹ शुक्र की placement खराब होने से पति सुख / दाम्पत्य सुख में कमी आएगी थोड़ा तनाव बना रहेगा। Struggle बना रहेगा After marriage. Husband आपको ठीक से समझेंगे नहीं। मनमुटाव की स्थिति एवं दूरियाँ बन सकती हैं।

उपाय :- शुक्रवार को दूध, चीनी, चावल, किसी एक वस्तु का दान करें। इत्र का दान एवं भगवान के चरणों में चढ़ाना लाभदायक रहेगा।

& मंगलवार को लाल रंग की वस्तु का दान करें। हनुमान जी पर सिन्दूर चढ़ाएं।

→ (for good married life) → longlife करें।

Scanned with CamScanner

12. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

राहु की महादशा : 24/02/2005 to 25/02/2023 : अच्छी दशा (Achiv=100%)

राहु/सूर्य :- 15/09/2019 to 07/08/2020 – अच्छी दशा –
[शनिदेव वक्रीय होने के कारण – Job से सम्बन्धित परेशानी रहेगी upto September 2020.] धन का अभाव, पारिवारिक समस्या आदि ! Obstacles in each work.
→ शनिदेव का दान करें ! (ठीक हो जायेगा !) हर शनिवार एवं अमावस्या को ! "ॐ शं शनैश्चराय नमः" का जाप करें ! (शाम को).

राहु/चन्द्र : 08/08/2020 to 06/02/2022 – अच्छी दशा (100% Achive)
(मोती धारण करें !) धन लाभ आयेगा ! आय का लाभ मिलेगा ! कामकाज ठीक चलेगा ! (if wear Pearl =10+Ratti)

राहु/मंगल : 07/02/22 to 25/02/23 :- खराब (25%).
* [Married life में समस्या, husband के साथ तनाव की स्थिति बनी रहेगी | गुस्सा काफी आयेगा husband पर ! (दूरियाँ बढ़ सकती हैं !)].
└ मंगल के दान regular करें तभी ठीक हो सकता है otherwise problems रहेगी ! आगे Report से देखकर follow करें !

Scanned with CamScanner

Download "Kiara Astrology App" from Google Play Store and Learn Astrology.

Stay Connected with Us.

Download App link:

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.kiara.astrology.android

Our Clients Say

Dr. S. K. Tiwari (Principal Scientific Officer, DGQA, Ordinance Factory, Kanpur)

Santosh Kumar Tiwari Sri Somvir ji is a man of high calibre having very sound knowledge of Astrology being a top class Technocrat. Every body should be associated with him to want to learn Astrology. With all good wishes Dr S K Tiwari Kanpur.

1

Love Reply Message 8w

Priya Sharma (Astrologer, Yoga Trainer, MP)

Priya Sharma I am a big fan of u. Exactly aapki wjh se hi life ko rhik se ji rhe h. Many many thanks sir 🙏 😊

1

Love Reply Message 8w

Veerji Koul (Doctor, Surgon @ Fortis Hospital, Delhi)

Veerji Koul recommends Kiara Astrology.
8 October 2019 ·

Very accurate prediction although I talk today only but the prediction he made was very accurate hand hope that the solution given work perfectly.

Soniya Sehgal recommends Kiara Astrology.
17 September 2019 ·

Very accurate, very supportive, not a money maker and very important he's also a genuine person. A positive soul too. Thanks a lot.. 😊

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk. Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

कुण्डली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	रोजाना सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाजरा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: (शनिवार को करना है) & (अमावस्या के दिन)	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** [After Sunset) शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: (शनिवार को करना है)	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: (मंगल, बुधवार को करना है)	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुण्डली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) ~~चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए)~~ तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk. Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011701 Date: 20/06/2020

Dr. Pallavi Sharma

19 Feb 1984 12:45 AM

Gwalior

Dr. Pallavi Sharma

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011701 Date: 20/06/2020

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **18-19/02/1984**
दिन	: शनि–रविवार
जन्म समय	: **00:45:00 ांटे**
इष्ट	: 44:43:08 घटी
स्थान	: **Gwalior**
राज्य	: Madhya Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 26:12:00 उत्तर
रेखांश	: 78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 00:27:36 घंटे
वेलान्तर	: -00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल	: 10:19:23 घंटे
सूर्योदय	: 06:51:44 घंटे
सूर्यास्त	: 18:11:24 घंटे
दिनमान	: 11:19:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 05:41:44 कुम्भ
लग्न के अंश	: 03:27:33 वृश्चिक

चैत्रादि संवत / शक	: 2040 / 1905
मास	: फाल्गुन
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 2
तिथि समाप्ति काल	: 22:25:16
जन्म तिथि	: 3
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: पू०फाल्गुनी
नक्षत्र समाप्ति काल	: 17:48:01 घंटे
जन्म नक्षत्र	: उ०फाल्गुनी
सूर्योदय कालीन योग	: सुकर्मा
योग समाप्ति काल	: 19:39:58 घंटे
जन्म योग	: धृति
सूर्योदय कालीन करण	: तैतिल
करण समाप्ति काल	: 12:18:32 घंटे
जन्म करण	: वणिज
भयात	: 17:22:25
भभोग	: 52:52:32
भोग्य दशा काल	: सूर्य 4 वर्ष 0 मा 6 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: वृश्चिक – मंगल
राशि–स्वामी	: **कन्या – बुध**
नक्षत्र–चरण	: **उ०फाल्गुनी – 2**
नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
योग	: धृति
करण	: वणिज
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: मानव
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: टो–टोनी
पाया(राशि–नक्षत्र)	: स्वर्ण – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ

ात चक्र	
मास	: भाद्रपद
तिथि	: 5-10-15
दिन	: शनिवार
नक्षत्र	: श्रवण
योग	: शुक्ल
करण	: कौलव
प्रहर	: 1
वर्ग	: मेष
लग्न	: मीन
सूर्य	: मेष
चन्द्र	: वृश्चिक
मंगल	: वृष
बुध	: मीन
गुरु	: मिथुन
शुक्र	: कर्क
शनि	: मीन
राहु	: सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	03:27:33	310:45:25	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	———
सूर्य			कुंभ	05:41:44	01:00:30	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	01:04:18	15:10:36	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मित्र राशि
मंगल			तुला	24:12:27	00:23:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध		अ	मक	21:19:40	01:36:36	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	12:19:36	00:10:39	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			मक	05:52:29	01:13:55	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			तुला	22:43:26	00:00:36	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	18:49:54	00:10:01	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	18:49:54	00:10:01	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	19:34:24	00:01:30	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	———
नेप			धनु	07:16:04	00:01:24	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	———
प्लूटो	व		तुला	08:26:29	00:00:31	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	———
दशम भाव			सिंह	09:15:38	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:53

लग्न–चलित

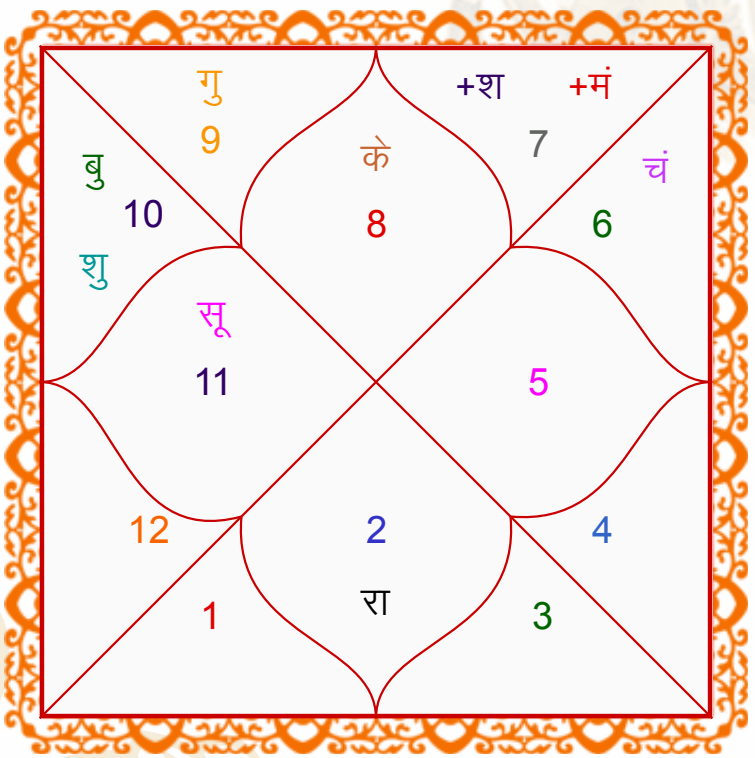

चन्द्र कुंडली

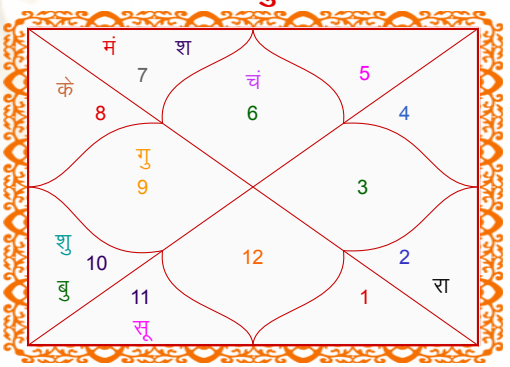

नवमांश कुंडली

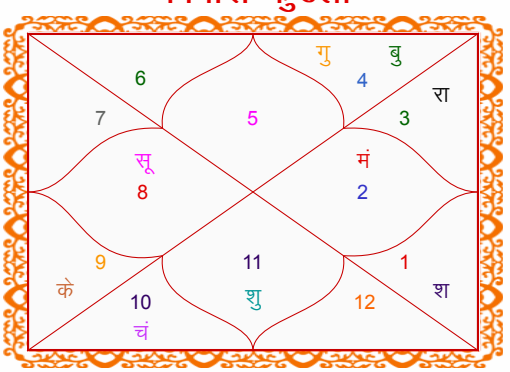

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	39	21	29	18	8	33	59
सप्तवर्गज बल	73	86	113	129	180	99	99
ओजयुग्मक बल	15	30	15	0	15	15	30
केन्द्र बल	60	30	15	15	30	15	15
द्रेष्काण बल	15	0	0	0	0	0	0
कुल स्थान बल	202	167	171	162	233	162	203
कुल दिग्बल	1	7	35	34	47	49	4
नतोन्नत बल	1	59	59	60	1	1	59
पक्ष बल	8	103	8	52	52	52	8
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	0	0	0	0	0	30
वार बल	0	0	0	0	0	0	45
होरा बल	60	0	0	0	0	0	0
अयन बल	29	27	8	51	0	4	52
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	99	189	75	163	128	117	194
कुल चेष्टाबल	0	0	39	4	18	18	36
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-18	19	3	-29	5	-19	3
कुल षट्बल	344	434	340	360	465	370	448
रूप षट्बल	5.7	7.2	5.7	6.0	7.7	6.2	7.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.1	1.2	1.1	0.9	1.2	1.1	1.5
संबंधित पद	4	2	5	7	3	6	1

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	27.62	32.62	33.35	8.84	11.59	24.60	46.21
कष्ट फल	29.36	18.25	25.80	48.40	47.06	33.56	4.65

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	340	465	448	448	465	340	370	360	434	344	360	370
भावदिग्बल	0	50	10	30	50	20	30	10	10	60	40	50
भावदृष्टि बल	10	8	-20	-4	58	69	55	35	82	64	81	23
कुल भाव बल	349	522	439	474	573	428	455	405	526	468	481	444
रूप भाव बल	5.8	8.7	7.3	7.9	9.5	7.1	7.6	6.7	8.8	7.8	8.0	7.4
संबंधित पद	12	3	9	5	1	10	7	11	2	6	4	8

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

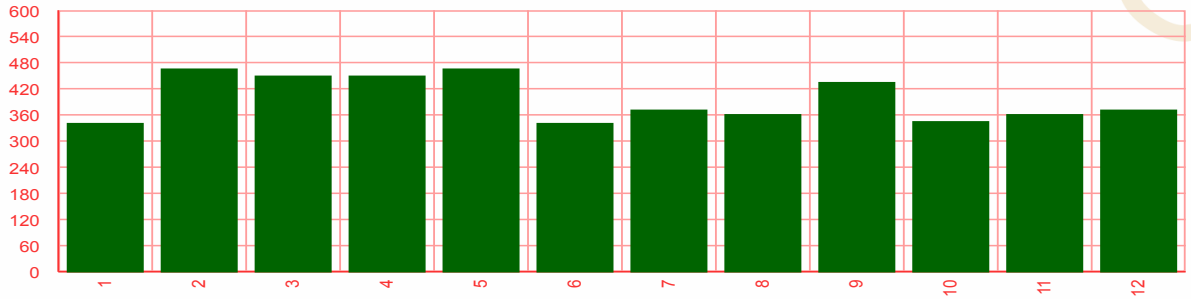

भावदिग्बल

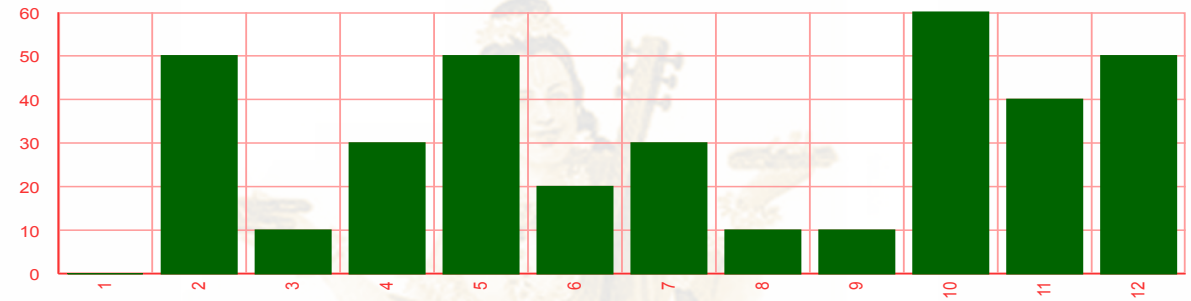

भावदृष्टि बल

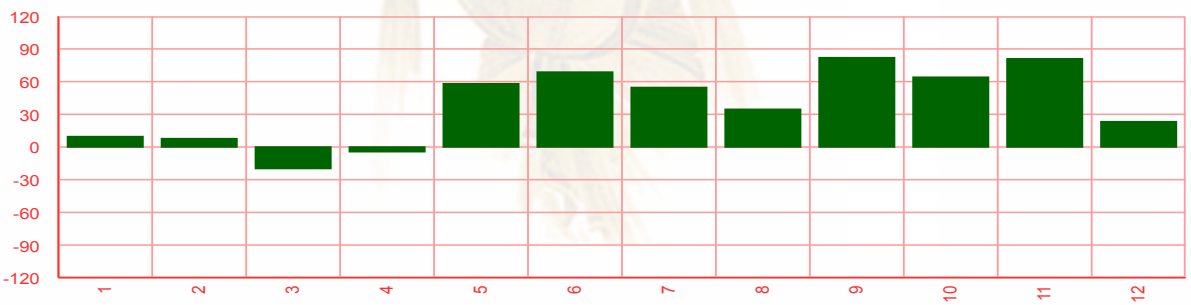

भाव बल

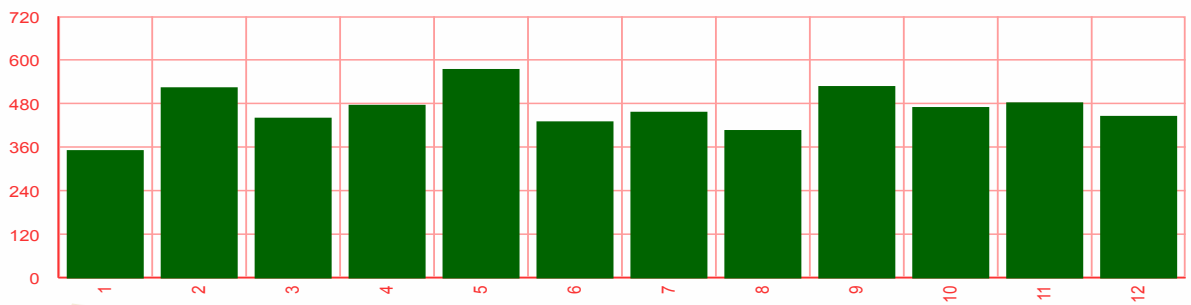

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 0 मास 6 दिन

सूर्य 6 वर्ष	
19/02/1984	
25/02/1988	
	00/00/0000
	00/00/0000
	19/02/1984
राहु	14/03/1984
गुरु	31/12/1984
शनि	13/12/1985
बुध	20/10/1986
केतु	25/02/1987
शुक्र	25/02/1988

चंद्र 10 वर्ष	
25/02/1988	
25/02/1998	
चंद्र	25/12/1988
मंगल	26/07/1989
राहु	25/01/1991
गुरु	26/05/1992
शनि	26/12/1993
बुध	27/05/1995
केतु	26/12/1995
शुक्र	26/08/1997
सूर्य	25/02/1998

मंगल 7 वर्ष	
25/02/1998	
24/02/2005	
मंगल	24/07/1998
राहु	11/08/1999
गुरु	17/07/2000
शनि	26/08/2001
बुध	23/08/2002
केतु	19/01/2003
शुक्र	20/03/2004
सूर्य	26/07/2004
चंद्र	24/02/2005

राहु 18 वर्ष	
24/02/2005	
25/02/2023	
राहु	07/11/2007
गुरु	02/04/2010
शनि	06/02/2013
बुध	26/08/2015
केतु	13/09/2016
शुक्र	14/09/2019
सूर्य	07/08/2020
चंद्र	06/02/2022
मंगल	25/02/2023

गुरु 16 वर्ष	
25/02/2023	
25/02/2039	
गुरु	14/04/2025
शनि	26/10/2027
बुध	31/01/2030
केतु	07/01/2031
शुक्र	07/09/2033
सूर्य	26/06/2034
चंद्र	26/10/2035
मंगल	01/10/2036
राहु	25/02/2039

शनि 19 वर्ष	
25/02/2039	
25/02/2058	
शनि	28/02/2042
बुध	07/11/2044
केतु	17/12/2045
शुक्र	15/02/2049
सूर्य	28/01/2050
चंद्र	29/08/2051
मंगल	07/10/2052
राहु	14/08/2055
गुरु	25/02/2058

बुध 17 वर्ष	
25/02/2058	
25/02/2075	
बुध	23/07/2060
केतु	20/07/2061
शुक्र	20/05/2064
सूर्य	27/03/2065
चंद्र	26/08/2066
मंगल	23/08/2067
राहु	12/03/2070
गुरु	17/06/2072
शनि	25/02/2075

केतु 7 वर्ष	
25/02/2075	
25/02/2082	
केतु	24/07/2075
शुक्र	22/09/2076
सूर्य	28/01/2077
चंद्र	29/08/2077
मंगल	25/01/2078
राहु	13/02/2079
गुरु	19/01/2080
शनि	27/02/2081
बुध	25/02/2082

शुक्र 20 वर्ष	
25/02/2082	
26/02/2102	
शुक्र	26/06/2085
सूर्य	26/06/2086
चंद्र	25/02/2088
मंगल	26/04/2089
राहु	26/04/2092
गुरु	26/12/2094
शनि	25/02/2098
बुध	26/12/2100
केतु	26/02/2102

सूर्य 6 वर्ष	
26/02/2102	
00/00/0000	
सूर्य	15/06/2102
चंद्र	15/12/2102
मंगल	22/04/2103
राहु	20/02/2104
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 0 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - सूर्य	
14/09/2019	
07/08/2020	
सूर्य	30/09/2019
चंद्र	27/10/2019
मंगल	16/11/2019
राहु	04/01/2020
गुरु	17/02/2020
शनि	09/04/2020
बुध	25/05/2020
केतु	14/06/2020
शुक्र	07/08/2020

राहु - चंद्र	
07/08/2020	
06/02/2022	
चंद्र	22/09/2020
मंगल	24/10/2020
राहु	14/01/2021
गुरु	28/03/2021
शनि	23/06/2021
बुध	09/09/2021
केतु	11/10/2021
शुक्र	10/01/2022
सूर्य	06/02/2022

राहु - मंगल	
06/02/2022	
25/02/2023	
मंगल	01/03/2022
राहु	27/04/2022
गुरु	17/06/2022
शनि	17/08/2022
बुध	10/10/2022
केतु	02/11/2022
शुक्र	05/01/2023
सूर्य	24/01/2023
चंद्र	25/02/2023

गुरु - गुरु	
25/02/2023	
14/04/2025	
गुरु	09/06/2023
शनि	10/10/2023
बुध	28/01/2024
केतु	14/03/2024
शुक्र	22/07/2024
सूर्य	30/08/2024
चंद्र	03/11/2024
मंगल	18/12/2024
राहु	14/04/2025

गुरु - शनि	
14/04/2025	
26/10/2027	
शनि	07/09/2025
बुध	17/01/2026
केतु	12/03/2026
शुक्र	13/08/2026
सूर्य	28/09/2026
चंद्र	14/12/2026
मंगल	06/02/2027
राहु	25/06/2027
गुरु	26/10/2027

गुरु - बुध	
26/10/2027	
31/01/2030	
बुध	21/02/2028
केतु	09/04/2028
शुक्र	25/08/2028
सूर्य	05/10/2028
चंद्र	13/12/2028
मंगल	31/01/2029
राहु	04/06/2029
गुरु	22/09/2029
शनि	31/01/2030

गुरु - केतु	
31/01/2030	
07/01/2031	
केतु	20/02/2030
शुक्र	18/04/2030
सूर्य	05/05/2030
चंद्र	02/06/2030
मंगल	22/06/2030
राहु	12/08/2030
गुरु	27/09/2030
शनि	20/11/2030
बुध	07/01/2031

गुरु - शुक्र	
07/01/2031	
07/09/2033	
शुक्र	18/06/2031
सूर्य	06/08/2031
चंद्र	26/10/2031
मंगल	22/12/2031
राहु	16/05/2032
गुरु	23/09/2032
शनि	24/02/2033
बुध	12/07/2033
केतु	07/09/2033

गुरु - सूर्य	
07/09/2033	
26/06/2034	
सूर्य	22/09/2033
चंद्र	16/10/2033
मंगल	02/11/2033
राहु	16/12/2033
गुरु	24/01/2034
शनि	11/03/2034
बुध	22/04/2034
केतु	09/05/2034
शुक्र	26/06/2034

गुरु - चंद्र	
26/06/2034	
26/10/2035	
चंद्र	06/08/2034
मंगल	03/09/2034
राहु	15/11/2034
गुरु	19/01/2035
शनि	06/04/2035
बुध	14/06/2035
केतु	13/07/2035
शुक्र	02/10/2035
सूर्य	26/10/2035

गुरु - मंगल	
26/10/2035	
01/10/2036	
मंगल	15/11/2035
राहु	05/01/2036
गुरु	20/02/2036
शनि	14/04/2036
बुध	01/06/2036
केतु	21/06/2036
शुक्र	17/08/2036
सूर्य	03/09/2036
चंद्र	01/10/2036

गुरु - राहु	
01/10/2036	
25/02/2039	
राहु	10/02/2037
गुरु	07/06/2037
शनि	23/10/2037
बुध	25/02/2038
केतु	17/04/2038
शुक्र	10/09/2038
सूर्य	24/10/2038
चंद्र	05/01/2039
मंगल	25/02/2039

शनि - शनि	
25/02/2039	
28/02/2042	
शनि	18/08/2039
बुध	20/01/2040
केतु	24/03/2040
शुक्र	24/09/2040
सूर्य	18/11/2040
चंद्र	17/02/2041
मंगल	22/04/2041
राहु	04/10/2041
गुरु	28/02/2042

शनि - बुध	
28/02/2042	
07/11/2044	
बुध	17/07/2042
केतु	12/09/2042
शुक्र	23/02/2043
सूर्य	13/04/2043
चंद्र	04/07/2043
मंगल	30/08/2043
राहु	25/01/2044
गुरु	04/06/2044
शनि	07/11/2044

शनि - केतु	
07/11/2044	
17/12/2045	
केतु	30/11/2044
शुक्र	06/02/2045
सूर्य	26/02/2045
चंद्र	01/04/2045
मंगल	24/04/2045
राहु	24/06/2045
गुरु	17/08/2045
शनि	20/10/2045
बुध	17/12/2045

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - शुक्र	
17/12/2045	
15/02/2049	
शुक्र	27/06/2046
सूर्य	24/08/2046
चंद्र	28/11/2046
मंगल	04/02/2047
राहु	27/07/2047
गुरु	29/12/2047
शनि	29/06/2048
बुध	10/12/2048
केतु	15/02/2049

शनि - सूर्य	
15/02/2049	
28/01/2050	
सूर्य	04/03/2049
चंद्र	02/04/2049
मंगल	23/04/2049
राहु	14/06/2049
गुरु	30/07/2049
शनि	23/09/2049
बुध	11/11/2049
केतु	01/12/2049
शुक्र	28/01/2050

शनि - चंद्र	
28/01/2050	
29/08/2051	
चंद्र	17/03/2050
मंगल	20/04/2050
राहु	16/07/2050
गुरु	01/10/2050
शनि	31/12/2050
बुध	23/03/2051
केतु	26/04/2051
शुक्र	01/08/2051
सूर्य	29/08/2051

शनि - मंगल	
29/08/2051	
07/10/2052	
मंगल	22/09/2051
राहु	22/11/2051
गुरु	15/01/2052
शनि	19/03/2052
बुध	15/05/2052
केतु	08/06/2052
शुक्र	14/08/2052
सूर्य	04/09/2052
चंद्र	07/10/2052

शनि - राहु	
07/10/2052	
14/08/2055	
राहु	12/03/2053
गुरु	29/07/2053
शनि	10/01/2054
बुध	06/06/2054
केतु	06/08/2054
शुक्र	27/01/2055
सूर्य	20/03/2055
चंद्र	14/06/2055
मंगल	14/08/2055

शनि - गुरु	
14/08/2055	
25/02/2058	
गुरु	16/12/2055
शनि	10/05/2056
बुध	18/09/2056
केतु	11/11/2056
शुक्र	14/04/2057
सूर्य	31/05/2057
चंद्र	16/08/2057
मंगल	09/10/2057
राहु	25/02/2058

बुध - बुध	
25/02/2058	
23/07/2060	
बुध	29/06/2058
केतु	19/08/2058
शुक्र	13/01/2059
सूर्य	26/02/2059
चंद्र	10/05/2059
मंगल	01/07/2059
राहु	10/11/2059
गुरु	06/03/2060
शनि	23/07/2060

बुध - केतु	
23/07/2060	
20/07/2061	
केतु	13/08/2060
शुक्र	13/10/2060
सूर्य	31/10/2060
चंद्र	30/11/2060
मंगल	21/12/2060
राहु	13/02/2061
गुरु	03/04/2061
शनि	30/05/2061
बुध	20/07/2061

बुध - शुक्र	
20/07/2061	
20/05/2064	
शुक्र	09/01/2062
सूर्य	02/03/2062
चंद्र	27/05/2062
मंगल	26/07/2062
राहु	28/12/2062
गुरु	15/05/2063
शनि	26/10/2063
बुध	21/03/2064
केतु	20/05/2064

बुध - सूर्य	
20/05/2064	
27/03/2065	
सूर्य	05/06/2064
चंद्र	01/07/2064
मंगल	19/07/2064
राहु	03/09/2064
गुरु	15/10/2064
शनि	03/12/2064
बुध	16/01/2065
केतु	03/02/2065
शुक्र	27/03/2065

बुध - चंद्र	
27/03/2065	
26/08/2066	
चंद्र	09/05/2065
मंगल	08/06/2065
राहु	25/08/2065
गुरु	02/11/2065
शनि	23/01/2066
बुध	06/04/2066
केतु	06/05/2066
शुक्र	31/07/2066
सूर्य	26/08/2066

बुध - मंगल	
26/08/2066	
23/08/2067	
मंगल	16/09/2066
राहु	10/11/2066
गुरु	28/12/2066
शनि	23/02/2067
बुध	16/04/2067
केतु	07/05/2067
शुक्र	06/07/2067
सूर्य	24/07/2067
चंद्र	23/08/2067

बुध - राहु	
23/08/2067	
12/03/2070	
राहु	10/01/2068
गुरु	13/05/2068
शनि	08/10/2068
बुध	17/02/2069
केतु	12/04/2069
शुक्र	14/09/2069
सूर्य	31/10/2069
चंद्र	16/01/2070
मंगल	12/03/2070

बुध - गुरु	
12/03/2070	
17/06/2072	
गुरु	30/06/2070
शनि	08/11/2070
बुध	05/03/2071
केतु	23/04/2071
शुक्र	08/09/2071
सूर्य	19/10/2071
चंद्र	27/12/2071
मंगल	13/02/2072
राहु	17/06/2072

बुध - शनि	
17/06/2072	
25/02/2075	
शनि	19/11/2072
बुध	08/04/2073
केतु	04/06/2073
शुक्र	15/11/2073
सूर्य	03/01/2074
चंद्र	26/03/2074
मंगल	22/05/2074
राहु	17/10/2074
गुरु	25/02/2075